हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 11 नवंबर, 2025

12 समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं करने वालों का...

12 आश्रम के दिव्यांगजनों ने मानवता सेवा एवं संस्कारों...

खबर संक्षेप

लिटिल हार्टस के हर्षित, वृन्दा व आस्था बने सीए

भिवानी। लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल के होनहार विद्यार्थी हर्षित सुगला, वृन्दा नागपाल व आस्था ने भारत सरकार के उपक्रम चार्टड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया द्वारा सितम्बर 2025 में आयोजित सीए फाईनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर सीए बनने के सपने को साकार किया और अपने माता-पिता, विद्यालय व भिवानी का नाम रोशन किया।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

भिवानी। रेलवे स्टेशन भिवानी के स्टेशन मास्टर को 10 नवंबर सोमवार को सूचना प्राप्त मिली कि रेलवे स्टेशन बामला व खरक के बीच अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ हैं। इसके बाद स्टेशन मास्टर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। राजकीय रेलवे पुलिस की जांच अधिकारी सुदेश कुमारी ने मौके पर पहुंच की शव की जांच कार्रवाई की और मृतक के शव की पहचान करने की हर संभव कोशिश की। पुलिस का अनुमान हैं कि मृतक की मौत चलती रेलगाड़ी से गिरने के कारण हुई है।

50 प्रतिशत से अधिक धान की कटाई पूर्ण

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने बताया कि जिला में 50 प्रतिशत से अधिक धान की फसल की कटाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने किसानों से फसल अवशेष न जलाने का आह्वान किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि किसान धान फसल के अवशेषों का उचित प्रबंध कर सरकार की योजना का लाभ उठाएं।

आईटीआई भिवानी में रोजगार मेला 14 को

भिवानी। राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान में 14 नवम्बर को प्रातः 9 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा, जिसमे फीटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, मोटर मैकेनिक व्यवसायों के आईटीआई पास शुदा छात्र कैंपस प्लेसमेंट में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यंत्रों का ड्रा 12 को

भिवानी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की वेबसाइट पर 20 अगस्त 2025 तक कृषि यंत्रों के लिए आवेदन किया था। उन किसानों के लिए तीन सितंबर को ड्रा निकाला गया था लेकिन अब अतिरिक्त यंत्र दिए जाएंगे, इसके लिए आरकेवीवाई स्कीम के सीआरएम के तहत वर्ष 2025-26 के दौरान व्यक्तिगत फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यंत्रों का ड्रा 12 नवंबर को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में निकाला जाएगा। सहायक कृषि अभियन्ता डॉ. नसीब सिंह धनखड़ ने यह जानकारी साझा की।

जल्द मांगे न मानने पर आंदोलन तेज करने को चेताया

संयुक्त किसान मोर्चा ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन,सौंपा ज्ञापन

मुआवजा देने सहित अन्य मांगें नहीं मानी तो 26 को होगा विशाल प्रदर्शनः कामरेड ओमप्रकाश

किसान-मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर सड़कों पर उतरा संयुक्त किसान मोर्चा, जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भिवानी इकाई ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के सामने किसान-मजदूरों की समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भिजवाया। मोर्चा का उपायुक्त की तरफ से समाज कल्याण अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने ज्ञापन लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी ब्लाक की प्रधान संतोष देशवाल व आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन भिवानी के जिला प्रधान रोहताश सैनी ने संयुक्त रूप से की तथा मंच संचालन किसान सभा के भिवानी ब्लाक सचिव करतार ग्रेवाल ने किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान एवं मोर्चा सदस्य कामरेड ओमप्रकाश, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान रोहताश सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार किसान मजदूरों की ज्वलंत समस्यायों का समाधान करने में कोई रूचि नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि अत्याधिक जलभराव/बारिश से बर्बाद खरीफ फसलों का एक लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा, खेतों में भरे जलभराव की पूरी निकासी, बाजरा, कपास व धान की सरकारी खरीद नहीं करने से हुए नुकसान का भांवातर देने, धान की फसल में नमी 17 प्रतिशत से 22 प्रतिशत छूट, बारिश से नष्ट हुए मकानों का मुआवजा, 2023 के बर्बाद कपास फसल का 350 करोड़ रुपये बीमा फ्रॉड का समाधान, बकाया ट्यूवैल कनेक्शन जारी करना, डीएपी/यूरिया खाद उपलब्ध करवाना व गांव में 200 दिन 600 रुपये दिहाड़ी पर मनरेगा मजदूरों को काम उपलब्ध करवाने के साथ 20 सूत्री मांगों को शामिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब, हिमाचल व उतराखंड के मामले में केंद्र सरकार कुछ बाढ़ राहत दी है, लेकिन हरियाणा को कोई मदद नहीं की और हरियाणा सरकार ने केंद्र सरकार से भी कोई मांग नहीं की। पंजाब सरकार ने 20 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा किसानों के खातों में डाल दिए, लेकिन हरियाणा सरकार ने कोई पैसा नहीं दिया है। केन्द्र व हरियाणा भाजपा सरकार संकट की घड़ी में किसान मजदूरों की कोई मदद नहीं कर रहे हैं, इनकी भारी उपेक्षा की है।

- सरकार पर संकट की घड़ी में किसान मजदूरों की अनदेखी का आरोप

भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य।

भिवानी। लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर किसान सभा से यादविरेन्द्र शर्मा, पूर्व सरपंच धिराना मनीराम मलिक, अश्वनी मिताथल, प्रताप सिंह सिंहमार, रतन कुमार जिंदल, नरेंद्र धनाना, सुखदेव पालवास, उपासना सिंह, आल इंडिया किसान खेत मजदूर से मास्टर बस्तीराम, राजकुमार बासिया, बहादुर सिंह दौलतपुर, नरसिंह, फूलचंद, महेंद्र कटारिया, धर्मबीर, रणधीर जाखड़, सुशील सिवाना सहित कई किसान मजदूर नेता शामिल रहे।

सीजेएम ने खनन नगरी खानक की पहाड़ियों में श्रमिकों से की मुलाकात

प्रशासन एवं जनता के बीच की कड़ी है विधिक सेवा प्राधिकरणः सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के मार्गदर्शन और सीजेएम पवन कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तोशाम के खानक में राजकीय वमा विद्यालय में विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया,जहां सीजेएम पवन कुमार ने खनन नगरी खानक की पहाड़ियों में जाकर श्रमिकों से मुलाकात की। प्राधिकरण के सचिव कम सीजीएम पवन कुमार ने कहा कि 09 नवम्बर 1995 को देश में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण शुरु किया गया था। उन्होंने कहा कि खनन नगरी खानक में बिहार, बंगाल सहित अन्य प्रातों के श्रमिक रहते हैं। इन श्रमिकों को पहचान पत्र बनवाने, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड बनवाने सहित अन्य जो भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रणाली की जो भी जरूरत है, उसे जिला विधिक प्राधिकरण से द्वारा हर संभव मदद दी जाएगी। इसके अलावा कानूनी लड़ाई के लिए भी फ्री में अधिवक्ता मुहैया करवाए जाएंगे। सीजेएम ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण से कोई भी कानूनी जानकारी लेनी हो तो 15100 टोल फ्री नंबर की सहायता ले सकते हैं। यह सहायता 24 घंटे निशुल्क रूप से जनता के लिए उपलब्ध रहती है। यहां खाद्यानों में श्रमिकों की जोखिम भरी जाब है। इसलिए प्रशासन और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रयास है कि लोगों को उनके अधिकार और सुविधा जरूर मिले।

भिवानी। श्रमिकों से मुलाकात करते सीजेएम पवन कुमार।

ये रहे मौजूद

सीजेएम ने कहा कि जनता और प्रशासन के बीच की कड़ी का काम विधिक सेवा प्राधिकरण करता है। लोगों को उनके संवैधानिक कानूनी अधिकार दिलवाना प्राधिकरण का मौलिक दायित्व है। इस मौके पर नायब तहसीलदार अशोक कुमार, एचएसआईआईडीसी के प्रबंधक जाखड़, बीईओ विजय कुमार सांगवान, सरपंच प्रतिनिधि, लीगल अधिवक्ता, प्रिंसिपल भूपेंदर मालिक, प्राध्यापक कुलदीप सूरा, डॉ रमेश रंगा, डॉ. राजवीर सिंह, अनिल कुमार, सतपाल, जयभगवान आदि उपस्थित रहें।

अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर 15 को

भिवानी। सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 15 नवम्बर शनिवार को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि 15 नवम्बर शनिवार को रक्तदान शिविर सुबह 9:15 बजे से शुरू होकर 11 बजे तक चलेगा। शिविर विशेषकर थैलेसिमिया, डायलिसिस के मरीजों को सहायता पहुंचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है तथा शिविर में एकत्रित रक्त जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में रामबाण का काम करेगा।

भिवानी। नारा लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

वाद-विवाद में शिवानी व नारा लेखन में संगीता प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्याल में सोमवार को कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सौजन्य से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में नारा लेखन, वाद-विवाद एवं पीपीटी प्रस्तुति प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहीं। कार्यक्रम का निर्देशन विभाग की अध्यक्ष डॉ. पारिशा ने किया, जिन्होंने प्रतियोगिताओं के आयोजन में विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर जगवीर सिंह मान ने की।

उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए सभी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और समाज में विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

विज्ञान जीवन जीने की सोच

मान ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन जीने की एक सोच है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे विज्ञान को व्यवहार में उतारें, तर्कशीलता अपनाएं और देश को प्रगतिशील दिशा में ले जाने के लिए नवाचार का मार्ग चुनें। विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. प्रवेश लांबा, डॉ. प्रियंका तथा डॉ. आंचल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, तर्कशीलता एवं तकनीकी ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. मंजुबाला, डॉ. शालिनी तथा डॉ. विनय कुमारी ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया और उत्कृष्ट प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रा शिवानी ने प्रथम, छात्र शिवकांत ने द्वितीय तथा पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में संगीता प्रथम, प्रिया द्वितीय और मोनिका तृतीय रहीं।

कुल्हाड़ी से वार कर की थी हत्या

चचेरे भाई की हत्या के दो आरोपित गिरफ्तार

- दोनों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया

चरखी दादरी। पुलिस ने गांव नीमड़ बड़ेसरा निवासी युवक की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। ज्ञात रहे कि गत दो अक्टूबर की शाम को नीमड़ बड़ेसरा निवासी कर्मबीर, उसकी पत्नी कमलेश, बेटी सुनीता और बेटे मन्दीप के साथ गुमान सिंह व 7-8 लोगों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से हमला किया था। हमले में गंभीर चोटें लगने के कारण मन्दीप की मौत हो गई थी। हमले बाद गुमान सिंह व उसके परिवार वालों ने उनके घर से छह लाख रुपये नकद व सोने चांदी के जेवर चोरी किए थे। मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना बाढ़ड़ा निरीक्षक ओमप्रकाश ने आरोपी गुमान सिंह उर्फ सचिन निवासी नीमड़ बडेसरा को गिरफ्तार किया कर लिया था। वहीं भैराण निवासी आरोपी मनीष व दीपक निवासी को गिरफ्तार किया।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

लोहारू में गंदे पेयजल की सप्लाई लोगों ने एसडीएम को दी शिकायत

- पार्षदों व गणमान्य लोगों की शिकायत पर एसडीएम ने शीघ्र समाधान का दिलाया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

जनस्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही के कारण शहर के लोग इन दिनों गंदे पेयजल सप्लाई के कारण खासे परेशान हैं। लोगों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही पेयजल सप्लाई पीने लायक नही, बल्कि उस पानी से नहाना और कपड़े धोना भी मुश्किल है। लोगों ने इसकी शिकायत संबंधित वार्ड पार्षदों को दी तथा सोमवार को व्यापार मंडल प्रधान धनपत सैनी, संजय खंडेलवाल, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद रवि केडिया, पार्षद अशोक शर्मा, पार्षद संतलाल, जगदीश आदि रहे।

लोहारू। पेजयल समस्या के समाधान के लिए एसडीएम से मुलाकात करते हुए शहर के पार्षद व व्यापार मंडल के अध्यक्ष। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने दिया आश्वासन

एसडीएम ने भरोसा दिलाया कि तीन दिन भीतर पेजयल संबंधी समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। एसडीएम से मुलाकात करने वाले व्यापारियों ने बताया कि पिछले काफी दिनों से पेयजल सप्ताई का पानी काफी गंदा आ रहा है। पानी में उठने वाले दुर्गंध के कारण इसे पीना तो दूर नहाना और कपड़े धोना तक मुश्किल है। वे कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शिकायत दे चुके, लेकिन विभाग के अधिकारी दो तीन दिन का नाम लेकर टालमटोल कर जाते हैं। सोमवार को गुस्साए लोगों ने एसडीएम दलाल से मुलाकात की और समस्या का शीघ्र समाधान किए जाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसडीएम दलाल ने बताया कि शहर में पेयजल के रूप में केनाल बेस वाटर की सप्लाई की जा रही है और उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

आरईडी विद्यालय के छात्रों ने विज्ञान मंथन परीक्षा में पाई सफलता

चरखीदादरी। लेवल 2 की परीक्षा के लिए चयनित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

आरईडी विद्यालय के छात्रों का विज्ञान तथा तकनीकी मत्रांलय द्वारा आयोजित विद्यार्थी विज्ञान मंथन परीक्षा में भी अपना परचम लहराया। परीक्षा के लिए विद्यालय के 129 बच्चों ने परीक्षा दी, जिनमें से 112 बच्चों का लेवल 2 के लिए चयन हुआ है। लेवल 2 में चयनित छात्रों में छठी से 15, कक्षा सातवीं से 18, आठवीं से 31, नौवीं से 31 व दसवीं से 17 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया व अभिभावकों, अध्यापकों व संस्थान का नाम रोशन किया। चयनित छात्र लेवल 2 प्रतियोगिता में भाग लेंगे। ज्ञातव्य है कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के तहत छठी से 11वीं के छात्र-छात्राओं के मध्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने व विज्ञान में शिक्षित करने हेतु एक अंतर्राज्ययी प्रतियोगिता है। जोकि नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्च एंड ट्रेनिंग व मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा आयोजित की जाती है। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार तथा विदेशी अनुसंधान केन्द्र की भारत सरकार द्वारा निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी। वीवीएम प्रतियोगिता की सफलता पर आरईडी विद्यालय के निदेशक जितेन्द्र सिंह अहलावत ने विजेता परीक्षार्थियों व अभिभावकों बधाई दी।

ज्ञापन | **आमजन की परेशानी को देखते हुए प्रतिदिन किया जाए पानी का छिड़कावः तंवर**

ओवरब्रिज निर्माण कार्य धीमी गति कराए जाने का लगाया आरोप

पर्यावरण प्रहरी सोसाइटी ने ज्ञापन सौंपा ओवरब्रिज निर्माण में तेजी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पर्यावरण प्रहरी सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को डीसी साहिल गुप्ता से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपकर लोहारू रोड ओवरब्रिज व सर्विस रोड निर्माण में तेजी की मांग उठाई। वहीं ओवरब्रिज निर्माण कार्य के दौरान उड़ती धूल मिट्टी से आमजन को राहत देने के लिए प्रतिदिन पानी का छिड़काव करवाने की मांग की, क्योंकि अक्सर दो दो घंटे देवसर चुंगी रेलवे फाटक बंद रहती हैं और घंटों वाहन जाम में फंसे रहते हैं। फाटक बंद होने की वजह से लोग अपनी ड्यूटी पर समय पर नहीं पहुंच पाते और न ही मरीज की एंबुलेंस पहुंच पाती। इस दौरान डीसी ने सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया और रेलवे विभाग के एक्सईएन शैलेंद्र कुमार से बात की और उन्हें मंगलवार को मोके पर पहुंचकर समस्याओं का समाधान करवाने की बात कही।

उल्लेखनीय हैं कि काफी समय से लोहारू रोड ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा हैं, जिसके चलते वाहन चालकों, राहगीरों व क्षेत्रवासियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। ओवरब्रिज निर्माण के चलते एवं अक्सर दो दो घंटें देवसर चुंगी रेलवे फाटक बंद रहने से वाहन चालकों घंटों जाम में फंसे रहते हैं। रेलवे फाटक बंद रहने से बार बार जाम लगते हैं और ड्यूटी पर जाने वाले लोग समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंच पाते, वहीं मरीजों की एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं। ओवरब्रिज का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से हो रहा हैं और सर्विस रोड भी नहीं बनाया गया, जिसकारण राहगीरों व वाहन चालकों को काफी दिक्कतें आ रही हैं।

भिवानी। निर्माणाधीन लोहारू रोड रेलवे ओवरब्रिज व सर्विस रोड का निर्माण न होने से उबड़ खाबड़ रास्तें से गुजरने वाहन चालक। फोटो : हरिभूमि

धूल-मिट्टी से सांस लेना हुआ दूभर

इसके साथ ही ओवरब्रिज निर्माण के दौरान उड़ती धूल मिट्टी की वजह से बुजुर्गों व बच्चों को सांस लेने में काफी परेशान आ रही हैं। वहीं सांस की बीमारी से पीड़ितों के लिए तो ये बहुत ही खतरनाक हैं, इसलिए प्रतिदिन पानी का छिड़काव किया जाए, जिससे धूल मिट्टी न उड़े और उन्हें राहत मिल सकें। उन्होंने सर्विस रोड व ओवरब्रिज का निर्माण में तेजी लाने की मांग की, ताकि जनता को राहत मिल सकें। इसके बाद डीसी साहिल गुप्ता ने रेलवे विभाग के एक्सईएन शैलेंद्र कुमार से फोन पर बात की और उन्हें मंगलवार कल मौके पर जाकर लोगों की समस्याएं सुनते एवं उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

विशेषः बाल दिवस, 14 नवंबर

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए, सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को निभानी होगी।

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

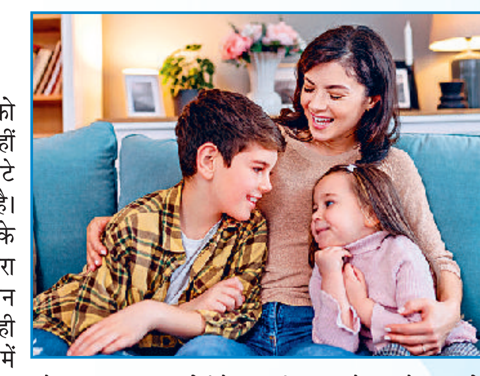

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकारः हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्तावः लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं। a

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकासः बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूतः कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोताः चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकासः जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञानः बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगारः कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धिः कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है। a

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

एडवाइस

ललिता गोयल

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएंः बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करेंः कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचावः अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखेंः बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करेंः नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमालः केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएंः ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है। a

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन

चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीजः यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीजः यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षणः बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारणः डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना। a

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

मंडियों में लगने वाली लाइन से मिलेगी निजात

फसल बेचने के लिए आने वाले किसान मोबाइल से काट सकेंगे गेट पास

महेश कुमार ▶▶ नारनौल

अनाज मंडियों में फसल बेचने आने वाले किसानों के लिए राहत की खबर है। अब किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए लंबी कतारों में लगने या गेट पास बनवाने के लिए मंडी के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने खरीद प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ई-खरीद मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास प्रणाली लागू कर दी है।

पहले किसानों को गेट पास बनवाने के लिए मंडी के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ता था। ट्रॉलियों की लंबी लाइनें लग जाती थीं, जिससे न केवल किसानों का समय खराब होता था बल्कि मंडी के बाहर की सड़कों पर जाम की स्थिति भी बन जाती थी, लेकिन अब डिजिटल गेट पास प्रणाली शुरू होने से यह समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। किसान तय समय पर अपनी ट्रॉली लेकर मंडी पहुंचते हैं, क्यूआर कोड स्कैन होता है और तुरंत प्रवेश मिल जाता है। यह प्रणाली किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब किसान अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ई-खरीद एप के माध्यम से खुद ही अपना गेट पास जनरेट कर सकेंगे। यह गेट पास डिजिटल रूप में क्यूआर कोड के तौर पर उनके मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देगा है।

खास बातें

- मंडियों में होने वाले फर्जीवाड़े से मिलेगी निजात, किसानों के समय की भी होगी बचत
- पहले किसान में अनाजमंडी में प्रवेश के लिए घंटों करना पड़ता इंतजार

किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं प्रणाली

किसानों को मिलेगा फायदा

सभी अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों पर यह डिजिटल प्रणाली लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब गेट पास बनवाने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता। इससे मंडियों में अनुशासन और पारदर्शिता दोनों बढ़ी हैं। किसान अब अपनी फसल आसानी से और बिना परेशानी के बेच पा रहे हैं। डिजिटल गेट पास प्रणाली से किसानों को न केवल सुविधा मिली है, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त भी बनाया गया है। राज्य सरकार की यह पहल अनाज मंडियों को डिजिटल युग की दिशा में आगे बढ़ाने वाला कदम साबित हो रही है।

-आदित्य यादव, मार्केट कमेटी सचिव महेंद्रगढ़

नारनौल। अनाज मंडी गेट। फोटो: हरिभूमि

फर्जीवाड़े पर रोक और मंडियों में सुचारू व्यवस्था

नई प्रणाली का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे फर्जी किसानों या दूसरे राज्यों की फसल बेचने जैसी गलत प्रवृत्तियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा। गेट पास स्कैन करते समय किसान को ओटीपी दर्ज करवानी होती है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि फसल बेचने वाला किसान स्वयं ही मंडी में मौजूद है। इससे फर्जीवाड़ा और बिचौलिया तंत्र पर रोक लगी है।

जिले में बाजरा खरीद का आकड़ा

मंडी का नाम	गेट पास	वजन(टन)	ऑक्शन पेंडिंग
अटेली	13987	39103.80	13962
कनीना	11693	36462.45	11684
महेंद्रगढ़	2757	8579.75	2616
नांगल चौधरी	2146	6113.75	1959
नारनौल	11002	31105.14	10976
सतनाली	3934	13504.82	3752

पारदर्शिता और समय की बचत

ई-खरीद एप के माध्यम से न केवल गेट पास बनाना आसान हुआ है, बल्कि पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और तेज भी हो गई है। किसान अपनी फसल का वजन स्वयं एप पर दर्ज करता है और बिक्री से संबंधित जे-फॉर्म भी उसी एप पर प्राप्त कर सकता है। इससे रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहता है और फसल का भुगतान निर्धारित समय में सीधे किसान के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाता है।

खबर संक्षेप

चंदपुरा के जितेंद्र कुमार ने दिया 251000 का अनुदान

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा में क्षेत्र के गांव चंदपुरा निवासी जितेंद्र कुमार शर्मा पुत्र स्व. मूलचंद शर्मा ने 251000 की आर्थिक सहायता के रूप में अनुदान प्रदान किया है। गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मेहता ने बताया कि जितेंद्र कुमार शर्मा ने अपने दादा पंडित बनवारी लाल शर्मा के सिद्धांतों व आदर्शों से प्रेरित होकर यह अनुदान दिया है।

रामपुरा के पूर्व सरपंच भोलाराम का निधन

नारनौल। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान यशवंत यादव के 93 वर्षीय चाचा एवं रामपुरा गांव के पूर्व सरपंच भोलाराम का रविवार देर शाम हृदय गति रूकने से निधन हो गया। भोलाराम दो बार गांव रामपुरा के सरपंच रहे तथा एक बार पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन पद पर भी कार्यरत रहे। इसके अतिरिक्त वे लगभग 15 वर्षों तक कृषि विभाग में चेयरमैन के रूप में सेवाएं देते रहे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह 10 बजे पैतृक गांव रामपुरा में किया गया।

शिविर में 100 नागरिकों ने रखी अपनी समस्याएं

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें व समस्याएं सुनी गई। इस मौके पर कुल 100 समस्याएं रखी गई। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने पुलिस से संबंधित मामले सुने तथा डीएमसी रणवीर सिंह व नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने सिविल प्रशासन से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करने की निर्देश दिए।

दिनेश जेलदार बने मार्केट कमेटी अटेली के चैयरमैन

मंडी अटेली। प्रदेश भर में मार्केट कमेटियों के चेयरमैन वाईस चेयरमैनों की नियुक्ति को लेकर घमासान चला हुआ था। अटेली विधानसभा में दो मार्केट कमेटियां आती है। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के समर्थक दिनेश जैलदार को अटेली मार्केट कमेटी का चैयरमैन एवं वॉइस चेयरमैन राधेश्याम गोयल नियुक्त किया है।

नहीं पसीजा पुलिस प्रशासन, इत्तफाकिया कार्रवाई से कराया पोस्टमार्टम

क्रैशर की होदी में फिसलकर गिरे मजदूर की दर्दनाक मौत

एक सप्ताह में क्रैशरों पर दूसरे प्रवासी मजदूर की मौत होने से ग्रामीणों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

बिगोपुर जोन में क्रैशर की होदी में पिसकर एक प्रवासी मजदूर की दर्दनांक मौत हो गई। तीन घंटे बाद सूचना लगने पर ऑपरेटर ने क्रैशर को बंद किया तथा अन्य श्रमिकों की मदद से क्षत विक्षत शव को बाहर निकाला। मृतक के परिजनों ने सुबह सुबह आक्रोश व्यक्त किया, लेकिन तीन घंटे बाद उनका गुस्सा ठंडा हो गया। उन्होंने पुलिस को इत्तफाकिया कार्रवाई के बयान दर्ज कराए हैं, जिसके आधार पर केस दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बिगोपुर धौलेड़ा जोन में देव कृष्णा क्रैशर संचालित है। जिस पर प्रवासी लेबर पत्थर पिसाई का काम करती है। बीती रात यूपी निवासी धर्मबीर पुत्र बाबूलाल होदी में पत्थरों को धकेलने में जुटा हुआ था। इसी दौरान धर्मबीर का पैर फिसल गया और होदी की तरफ लुढक गया, फिसलन के समय पीड़ित ने जमीन व पत्थरों को पकड़कर बचाव करने के प्रयास भी किया, लेकिन ढलान ज्यादा होने के कारण सफलता नहीं मिली तथा लुढकता हुआ पहले कन्वेयर में उलझा। इसके बाद चक्की में फंस गया। पत्थर व चक्की के बीच फंसने से श्रमिक की मौत होने का अंदेशा जताया गया है। घटना स्थल से अन्य श्रमिक थोड़ी दूरी पर काम कर रहे थे, जिन्हें घंटे भर तक घटना की भनक नहीं लगी। होद पर पत्थर खिंचाव का प्वाइंट खाली देखकर अन्य श्रमिकों को हादसे का अंदेशा हुआ तथा उन्होंने होदी में झांक कर देखा।

निजामपुर। घटना स्थल का निरीक्षण करती पुलिस। फोटो: हरिभूमि

इत्तफाकिया कार्रवाई

निजामपुर थाना इंचार्ज रवि कुमार ने बताया कि मृतक धर्मबीर के भाई ने नींद आने से हादसा घटित होने का बयान दिया है। जिसके आधार पर इत्तफाकिया कार्रवाई करके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

ग्रामीणों ने जताई चिंता

बिगोपुर, बखरीजा, मेघोत बींजा, बायल व गांगोताना के ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह पहले बायल जोन में डस्ट पिसाई करने वाली चक्की में फंसने से एक प्रवासी श्रमिक की मौत हुई थी। इसके बाद बिगोपुर के पास क्रैशर की चक्की में फंसने से प्रवासी मजदूर की दर्दनांक मौत हो गई। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मृतकों के परिजनों के बयानों पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने अभी तक क्रैशरों के मापदंड तक चेक नहीं किए हैं, जिससे मिलीभगति का अंदेशा बना हुआ है।

नारनौल। अवैध खनन को लेकर ज्ञापन सौंपते दोस्तपुर के ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

अवैध खनन को लेकर किया प्रदर्शन

नारनौल। अवैध खनन को लेकर प्रशासन व खनन विभाग के खिलाफ लघु सचिवालय परिसर में दोस्तपुर गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा खनन विभाग, प्रशासन व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामवासी नितिन यादव ने आरोप लगाया कि साल 2019 से लगातार पंचायती भूमि पर अवैध खनन जारी है, जिसकी शिकायतें करने के बाद भी प्रशासन व खनन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों के अनुसार विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से पंचायती भूमि को बर्बाद कर दिया गया है और अब शिकायतों को दबाने के लिए झूठी रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। इस अवसर पर ग्राम सरपंच प्रतिनिधि बाबरुभान ने बताया कि अवैध खनन में होने वाली ब्लास्टिंग से गांव के लगभग 95 प्रतिशत मकानों में दरारें आ चुकी हैं। दिन-रात धमाकों से लोगों की जान खतरे में है, जिससे कई परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने नौ अक्तूबर की रात को खनन संचालकों के ट्रक को पंचायत भूमि पर मलबा डालते हुए पकड़कर पुलिस व खनन विभाग को सौंपा था, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

टैगोर स्कूल के 47 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक के साथ उत्तीर्ण की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एकबार फिर अपनी प्रतिभा और परिश्रम से विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के 47 विद्यार्थियों ने विज्ञान विद्यार्थी मंच की लेवल-1 परीक्षा उत्कृष्ट अंक के साथ उत्तीर्ण कर लेवल-2 परीक्षा के लिए चयन प्राप्त किया है। यह परीक्षा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विज्ञान प्रसार के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, नवाचार की भावना और अनुसंधान दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों की यह उल्लेखनीय सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। सीईओ डॉ. निशा यादव ने कहा कि टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय के विद्यार्थी लेवल-2 परीक्षा में भी अपनी श्रेष्ठता बनाए रखेंगे।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

दा वेदांता स्कूल के विवान यादव ने जीता राज्यस्तरीय प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विवान यादव पुत्र प्रीतम यादव ने राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता राज्य स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें अनेक विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मक कला का प्रदर्शन किया।

कला शिक्षिका रचना यादव के मार्गदर्शन में विवान यादव ने अपने चित्र में रंगों का ऐसा समन्वय और गहराई दिखाई, जिसने निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके चित्र में न केवल सृजनात्मकता झलकती थी, बल्कि सामाजिक संदेश और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी सुंदर मिश्रण देखने को मिला। उनकी यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, लगन व कला के प्रति समर्पण का परिणाम है। विद्यालय के चेयरमैन विनोद कुमार यादव व विद्यालय प्रबंधक ने विवान की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वेदांता के विद्यार्थी हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं। विद्यालय परिवार ने विवान को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

नारनौल। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण गुरुग्राम स्थित लोहागढ़ फार्म हाउस में आयोजित किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया। संस्था के डीन मनोज भारद्वाज ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को रवाना किया। संस्था की एमडी निधि वर्मा भी इस शैक्षणिक भ्रमण में बच्चों के साथ रही व सभी विद्यार्थियो का उत्साह बढ़ाया।

फार्म हाउस पहुंचकर विद्यार्थियों ने हरियाणा के वास्तविक ग्रामीण जीवन का अनुभव प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने दीया बनाना, मेहंदी लगाना, कठपुतली व जादू का खेल जैसी गतिविधियों में भाग लिया तथा ऊंटगाड़ी, बैलगाड़ी, ट्रैक्टर की सवारी का आनंद उठाया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक ग्रामीण व्यंजनों जैसे मक्का की रोटी, लहसुन की चटनी, छोले, पूड़ी सब्जी, दाल, खिचड़ी, खीर, गुलगुले, छाछ, नींबू शिकंजी आदि का स्वाद लिया। उन्होंने क्रिकेट, रस्साकशी, बैडमिंटन, रोप स्लाइडिंग, झूले व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी की। संस्था के डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव को बढ़ाने के साथ उन्हें देश प्रदेश की संस्कृति से रूबरू कराते हैं। संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा ने सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को भ्रमण के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

नारनौल। भ्रमण करते हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी।

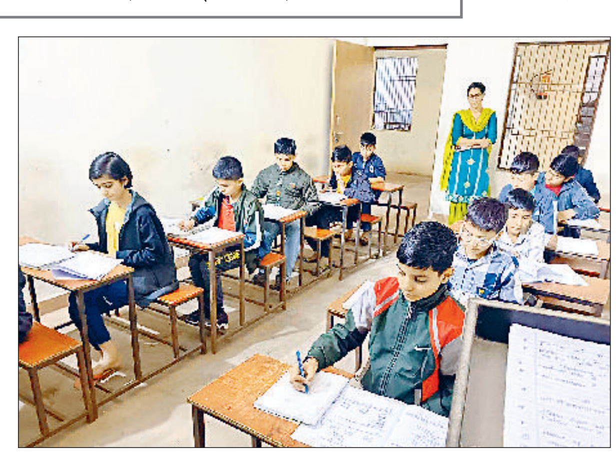

महेंद्रगढ़। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आकाश एकेडमी हुई में नेशनल ओलंपियाड परीक्षा

महेंद्रगढ़। आकाश एकेडमी में गणित विषय की परीक्षा आयोजित की गई। देवेंद्र बैरावास ने बताया कि मैथ ओलंपियाड एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। यह छात्रों की गणितीय प्रतिभा का आकलन करती है, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। ओलंपियाड का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना जागृत करना और विषय ज्ञान को गहराई से समझने की प्रेरणा देना रहा। परीक्षा के दौरान केंद्र पर अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण रहा। एकेडमी प्रबंधन की ओर से परीक्षा की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित की गई थी। आकाश एकेडमी के विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा में कक्षा चौथी से नौवीं तक के बच्चों ने भाग लिया।

श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने किया जॉय भ्रमण

- भ्रमण ज्ञान अर्जन व सीखने का सर्वोत्तम माध्यम : कविता राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने झज्जर के कबलाना में जॉय भ्रमण किया, जिसमें कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। मिडिल हेड सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जॉय गांव के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने घोडे.की सवारी, ऊंट व बैल की सवारी, टैक्टर राईड, टेनिस कोर्ट, सन मून राईड में बढ़–चढ़कर भाग लिया। वहीं बूट कैंप, बम्बू ब्रिज, हैंगिंग लाडर, मंकी क्रावल, पैरलल रोप, रोप कोर्स, दीवार चढ़ना, कमांडो नेट, टायर ब्रिज सहित अन्य गतिविधियों को लेकर विद्यार्थियों मे काफी उत्साह नजर आया। स्कूल सीईओ कर्मवीर राव एवं चेयरपर्सन कविता राव ने कहा कि भ्रमण ज्ञान अर्जन व सीखने का सर्वोत्तम माध्यम है। मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का अवसर शैक्षणिक भ्रमण से ही मिलता हैं। रोजाना की दिनचर्या से कुछ हटकर नये स्थानों पर घूमने से न सिर्फ ज्ञान वृद्धि होती हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति मजबूत बनता हैं। प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव प्रदान करना था।

महेंद्रगढ़। भ्रमण में रोप कोर्स का आनंद उठाते श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

पूरे जोन से तीन दिन 3000 विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, विभिन्न सात मंचों पर होंगे 46 प्रकार के इंवेंट्स

आरपीएस कॉलेज में जोनल युवा महोत्सव-2025 'झूमर' का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के सौजन्य से 8वां तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव 'झूमर' का बड़े ही धूमधाम से आगाज हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. असीम मिगलानी, डॉ. कर्णसिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डीवाईडब्ल्यू डॉ. दीप्ती शर्मा, एवाईडब्ल्यू डॉ. सुशांत कुमार, इंदिरा गांधी विवि रेवाड़ी के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. नवीन पिपलानी, विशिष्ट अतिथि संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजि. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, विषेश अतिथि कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, युवा महोत्सव संयोजक प्रो. राजेंद्र यादव, डिग्री कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। जोनल स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करते मुख्यातिथि कुलपति प्रो. असीम मिगलानी एवं चेयरपर्सन डा. पवित्रा राव एवं युवा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

प्रथम दिन के आयोजित कार्यक्रम: क्रोयोग्राफी, माइम, क्लासिकल डांस, क्लासिकल वोकल सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट परकसन सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट नॉन-परकसन सोलो, रिच्यूअल, वेसर्टन इंस्ट्रूमेंट सोलो, वेसर्टन वोकल सोलो, वेसर्टन ग्रुरप सोंग, पंजाबी पोइट्री, उर्दू पोइट्री, हिंदी पोइट्री, संस्कृत श्लोका उच्चारण, इंग्लिश पोइट्री, हरियाणवी पोइट्री, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, ऑन द स्पोट पेंटिग नुक्कड़ नाटक आदि आयोजित किए गए।

युवा महोत्सव युवाओं के लिए बड़े मंचों के लिए एक उड़ान

युवा महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रो. असीम मिगलानी ने बधाई देते हुए कहा युवा महोत्सव युवाओं के लिए बड़े मंचों के लिए एक उड़ान है। यहां से प्रतिभाएं निखर कर देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने आरपीएस कॉलेज की प्रबंध समिति व व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणाम, खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक उपलब्धियों में एक अलग पहचान है, में खुशी है, कॉलेज पूरे देश-प्रदेश की प्रतिभाओं को निखारकर उचित मंच प्रदान करता है। कॉलेज चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बधाई देते हुए कहा युवा महोत्सव युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए पहचान बनाने का अवसर है। इस युवा महोत्सव में प्रत्येक युवा में भारतीय व हरियाणवी संस्कार व धरोहर को दिखाई देती है। कॉलेज प्रत्येक युवा को उचित मंच प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, समन्वय और नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय इन सांस्कृतिक उपलब्धियों को भविष्य की अकादमिक गतिविधियों में भी शामिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कॉलेज सीईओ इंजी मनीष राव ने कहा कि वे इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने जोनल युवा महोत्सव को बेहतरीन ढंग से करवाने की जिम्मेदारी आरपीएस इंजीनियर कॉलेज को दी। उन्होंने कहा कॉलेज विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित है। विवि युवा महोत्सव कॉलेज विद्यार्थियों के लिए उत्साह प्रेरणा संस्कार पैदा करने का उचित मंच है। यहां प्रतिभाएं अपनी प्रतिभाओं का जज्बा दिखाकर संस्कारवान बनती है।

हुड्डा पार्क में बनेगा शहीद स्मारक

महेंद्रगढ़। शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में करीब 15 लाख रुपये की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण किया जाएगा। जिसका शिलान्यास 15 नवंबर को किया जाएगा। विधायक कंवर सिंह ने बताया कि रेजांगला के युद्ध में देश के 110 जवान शहीद हुए थे। उसमें से 60 जवान हरियाणा प्रदेश से थे तथा जिला महेंद्रगढ़ के 16 जवानों ने युद्ध में अपनी शहादत दी थी।

सूचना

मैं, गुगन राम पुत्र श्री रामस्वरूप निवासी गांव लेघा हेतवान तहसील व जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र हरीश व उसकी पत्नी रितिक मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

हेल्थ जांच शिविर में 60 लोगों ने उठाया लाभ

भिवानी। सनफ्लैग मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में माह के प्रत्येक सोमवार को जांच का आयोजन किया जाता है, ताकि जरूरतंद मरीज आर्थिक अभाव में स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। इसी कड़ी में सोमवार को अस्पताल में लगाए शिविर में सर्जरी मैडिसन, हड्डी विभाग व प्रसूति विभाग में चैकअप किया तथा दवाईयां वितरित की गई। इस दौरान 60 मरीजों की जांच की गई। डॉ. साक्षी मल्होत्रा ने महिलाओं की जांच की तथा भिवानी से आई हुई स्पेशल युवतियों की विशेष जांच की तथा उन्हे दवाईयों के साथ-साथ सैनेटरी पैड भी वितरित किए।

न्यूरोथैरेपी शिविर का अनेक लोगों ने उठाया लाभ

भिवानी। श्रीअग्रवाल सभा द्वारा हालु बाजार स्थित श्रीअग्रसेन भवन में न्यूरोथैरेपी शिविर के आठ दिवसीय कार्यक्रम के 5वें दिन सोमवार को भी सफलतापूर्वक जारी रहा। 6 नवंबर से शुरू हुआ शिविर 13 नवंबर तक चलेगा। इसी कड़ी में सोमवार को 5वें दिन भी सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और शाम 3 बजे से शाम 7 बजे तक शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंच कर जर्मन तकनीक पर आधारित बिना ऑपरेशन न्यूरोथैरेपी उपचार का लाभ लिया।

झोझूकलां महाविद्यालय में हुआ विस्तार व्याख्यान

चरखी दादरी। महिला महाविद्यालय झोझू कलां में गणित विभाग द्वारा छात्राओं के लिए विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें डॉ. विकास फौगाट ने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। डॉ. विकास ने अपने व्याख्यान में मेजर थ्योरी का दैनिक जीवन में प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि मेंसुरेशन द्वारा हम 2डी और 3डी क्षेत्र की चीजों को मापने और उसके परिणामों का आकलन करने की प्रक्रिया हमारे जीवन के हर पहलू का प्रभावित करती है।

पुरस्कार के लिए आवेदन 20 तक आमंत्रित

भिवानी। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग हरियाणा द्वारा दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को विभिन्न श्रेणियों में वर्ष 2025-26 के लिए राज्य पुरस्कार प्रदान करने के लिए 20 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित किये हैं। डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज में दिव्यांग व्यक्तियों को आत्मनिर्भर, सम्मानजनक जीवन प्रदान करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को सम्मानित कर अन्य लोगों को भी प्रेरित करना है।

पशुओं को लगाए मुंहखुर व गलघोटू के 3795 टीके

भिवानी। पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग द्वारा मुंहखुर व गलघोटू बीमारी की रोकथाम के लिए 23 अक्तूबर से 23 नवंबर तक चलाए जा रहे संयुक्त वैक्सीन अभियान के तहत जिला भिवानी में टीकाकरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसी क्रम में पशुपालन विभाग के उपमंडलाधिकारी डॉ. राजेश जाखड़ के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सक डा. सोनू वर्मा के नेतृत्व में उनकी टीम के सदस्य वीएलडीए लक्ष्मण, वीएलडीए पंकज, देवेंद्र, प्रेम बिंद्र बोस, कुलदीप व सोमबीर आदि ने गांव प्रहलादगढ़ में संयुक्त वैक्सीन अभियान चलाया।

शिक्षकों में ज्ञान की समझ विकसित करना जरूरी

बवानीखेड़ा। मिलकपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में वन डे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन थ्योरी ऑफ नॉलेज का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों में ज्ञान के सिद्धांत की गहरी समझ विकसित करना और उन्हें आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में एस. केजिया कल्पलथा और नीलू जावला ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं को गंभीरता से लें अधिकारी: गुप्ता

समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं करने वालों का कटेगा एक दिन का वेतन

डीसी गुप्ता ने समाधान शिविर में नागरिकों की सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने अधिकारियों को चेताया कि समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं पर नागरिकों के बार-बार चक्कर लगाने वाले तथा ठोस कारवाई नहीं करने पर संबंधित विभागाध्यक्ष का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविरों की समीक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष समाधान शिविरों पर स्वयं उपस्थित रहे। डीसी गुप्ता सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुन रहे थे। डीसी सभी समाधान शिविरों में लंबित समस्याओं व रीओपन समस्याओं की समीक्षा की और संबंधित विभाग को उनके समाधान के निर्देश दिए।

भिवानी। समाधान शिविर में समस्याएं सुनते डीसी साहिल गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

समाधान के निर्देश

वहीं सुरेन्द्र ने अविवाहित पेंशन बनवाने तथा अशोक, रेनू, घनश्याम व विजेन्द्र ने पीपीपी में त्रुटि दुरुस्त करवाने से संबंधित समस्या रखी। डीसी ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और अधिकारियों को प्राथमिकता से शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में सीईओ जिला परिषद अजय चोपडा, नगराधीश अनिल कुमार, सिंचाई विभाग के एससी ओपी बिश्नोई , सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया, बीडीपीओ सोमबीर कादयान, जिला बागवानी अधिकारी डॉ. देवीलाल, जिला मत्स्य अधिकारी सिकंदर सांगवान, गैरसरकारी सदस्य रामकिशन हालुवासिया आदि मौजूद थे।

शिविर में ये आई समस्याएं

डीसी ने विशेषकर क्रीड़ा विभाग को निर्देश दिए कि परिवार पहचान पत्र में नाम, आय, आधार कार्ड और पेंशन से संबंधित समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करें। डीसी के समक्ष कामरेड ओमप्रकाश ने बताया कि गांव बामला में सांगा को जाने वाले रास्ते की हालत जर्जर बनी है, जबकि इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 15 लाख रुपये की ग्रांट काफी लंबे समय पहले मंजूर बताई गई है, लेकिन पंचायत को ये पैसा नहीं दिया जा रहा है। वहीं कष्ट निवारण समिति सदस्य सुनील वर्मा ने पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पेयजल समस्या का समाधान करवाने की मांग रखी। वहीं गांव ढ़ाणी जंगा निवासी सूबेसिंह ने अवैध कब्जा हटवाने, ढ़ाणा नरसाना निवासी सूर्यकांत ने पानी की सप्लाई का प्रेशर बढ़वाने, सेक्टर 13 निवासी रीना ने आपसी झगड़े के चलते पुलिस कार्रवाई करवाने, कालूवास निवासी विजयपाल ने अपनी जमीन से अवैध कब्जा हटवाने, गांव तालू निवासी रामनिवास ने गली से कूड़ा-कचरा उठवाने, नाथूराम ने अपनी जमीन का खाता अलग करवाने, पिंकी ने मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने की मांग रखी।

डॉ. बेचैन को साहित्य सभा कैथल में किया सम्मानित

भिवानी। पंडित लखमीचंद अवार्ड से विभूषित हरियाणवी कवि एवं चिंतक डॉ. वीएम बेचैन को कैथल में साहित्य सभा द्वारा रविवार को आयोजित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में वर्ष 2025 के लिए श्रीमती धनपति देवी स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया है। सम्मान कैथल के साहित्यकार साथी रिसाल जांगड़ा, राजेश भारती एवं कर्मचंद केसर की विशेष संतुति पर दिया, जिसके तहत सभा द्वारा एक स्मृति चिन्ह, एक सम्मान पट्टिका अंग वस्त्र, फूल माला और 3101 रुपये की नकद राशि प्रदान की। यह सम्मान देश प्रदेश से पधारे साहित्यकारों की मौजूदगी में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी उर्दू प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. चंद्र त्रिखा, अकादमी सचिव डॉ. मनजीत सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. संजय गोयल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अमृतलाल मदान, ईश्वरचंद्र गर्ग, जयभगवान सिंगल, सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. सुमेधा कटारिया ने प्रदान किया। अकादमी निदेशक डॉ. चंद्र त्रिखा ने सभी सम्मानित साहित्यकार साथियों को सम्मान की बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान समय लेखक कवियों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कलमकारों को आगाह करते हुए कहा कि चिंतन, मंथन और अभ्यास निरंतर रखें।

बवानीखेड़ा। बाबा कमाल मंदिर के पास रोड पर बैठे बेसहारा पशु व बच बचाकर गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

बार-बार शिकायत के बाद भी समाधान नहीं

पशुओं के रोड पर बैठने से लग रहा जाम, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में बेसहारा पशुओं की ताबाद दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गौशाला के समान सड़कों पर ही इतने गौवंश दिखाई देते हैं, जिनके रोड पर खड़े होने, बैठने से रास्ता बाधित हो जाता है और सड़कों पर वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग जाती है, जिससे वाहन चालक व राहगीर काफी परेशान होते हैं।

वाहन चालक चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। वहीं लोगों की मानें तो बार बार शिकायत के बावजूद प्रशासन के द्वारा इनका कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। प्रशासन के समाधान न करने पर लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोगों ने रोड जाम करने के संकेत दिए। उल्लेखनीय है कि शहर में दो गौशालाएं हैं पहली जमालपुर मार्ग पर तो दूसरी तहसील कार्यालय के पीछे स्थित है, जिसमें सैंकड़ों गोवंश हैं।

बोले क्षेत्रवासी

क्षेत्रवासी श्रीभगवान, प्रेम, नरेन्द्र, महेन्द्र, महेश, रवीश, महेन्द्र, राजेन्द्र व संजय आदि ने बताया कि हांसी-भिवानी बिचला मार्ग पर सबसे अधिक गाय, सांड बाबा कमाल मंदिर के पास व शहीद गुलाब सिंह पार्क के पास सड़क पर खड़े व सड़क पर ही बैठ रहते हैं, जिससे वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग जाती है व एक्सीडेंट का भय बना रहता है। बेसहारा पशुओं को भगाने पर कुछ पशु तो मारने दौड़ते हैं। इन बेसहारा पशुओं के द्वारा अनेक रहागीरों पर हमला करके घायल किया जा चुका है। लोगों की मानें तो समय समय पर गौशाला के प्रतिनिधि गौशाला को चलाने के लिए चंदे की पर्ची काटने सहित चारा भी समाजसेवियों एवं दानियों से एकत्रित करते हैं, लेकिन सड़कों पर घूम रहे इन पशुओं का समाधान नहीं किया जा रहा।

विशेष बच्चों की पहचान के लिए प्राथमिक अध्यापकों का दिया गया प्रशिक्षण

- 14 व 15 तक 100 प्रतिशत विशेष बच्चों की स्क्रीनिंग होना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काकड़ौली सरदारा में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान के लिए बाल दिवस उत्सव एवं राज्यव्यापी स्क्रीनिंग कार्यक्रम संबंधी प्राथमिक अध्यापकों का प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण में क्लस्टर काकड़ौली सरदारा, द्वारका डोहका मौजी व हाड़ौदी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक के विद्यालयों के अध्यापकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के मास्टर ट्रेनर खंड संसाधन अध्यापक विजय शर्मा ने निपुण ऐप को चलाने संबंधी और उसमें 63 प्रकार के प्रश्नों को विस्तारपूर्वक बताया कि इन प्रश्नावली के अंतर्गत प्राइमरी तक के प्रत्येक बच्चे की स्क्रीनिंग करना अति आवश्यक है जो 14 व 15 तारीख तक 100 प्रतिशत बच्चों की स्क्रीनिंग होना अनिवार्य है। इस ऐप के बारे में बताया कि ये ऐप अध्यापक की एम्पलाई आईडी उसकी यूजर आईडी होगी और उसका पासवर्ड उस अध्यापक की जन्मतिथि के साथ खुलेगा और आगे उसमें अंकित जो प्रश्नावली दिखेगी, उसमें उस बच्चों की वास्तविक और गतिविधियां जानकार भरना है।

बाढ़ड़ा। प्राथमिक शिक्षकों को संबोधित करते ट्रेनर। फोटो : हरिभूमि

सीआरपीएफ जवान को सैन्य सम्मान के साथ दी विदाई

चरखी दादरी। छुट्टी पर घर आए गांव चरखी निवासी सीआरपीएफ जवान हवलदार रविंद्र सांगवान का सीने में दर्द होने से निधन हो गया, उसे भिवानी के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवान का उसके गांव चरखी में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। इस दौरान विधायक सुनील सांगवान सहित प्रशासनिक अधिकारियों व ग्रामीणों ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि गांव चरखी निवासी रविंद्र सांगवान करीब 21 सालों से सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे रहा था और एक दिन पहले ही वह छुट्टी पर घर आया था। घर आते ही अचालक उसके सीने में दर्द हुआ तो परिजन उसे तुरंत भिवानी के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां उसका उपचार के दौरान निधन हो गया।

भीम स्टेडियम में 26 से होंगी पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात भिवानी एक बार फिर राष्ट्रीय स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए तैयार है। भीम स्टेडियम में आगामी 26 से 30 नवंबर तक 5 दिवसीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग के लड़के व लड़कियां विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए, सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने भीम स्टेडियम का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने खेल मैदान की व्यवस्था, खिलाड़ियों के ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाओं की तैयारियों का जायजा लिया। डीईओ दहिया ने कहा कि भिवानी को खेलों का केंद्र माना जाता है और हमें राष्ट्रीय स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलना जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट खेल मैदान, स्वच्छ आवास और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग और अन्य सहयोगी टीमें लगातार काम कर रही हैं।

भिवानी। खेल प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा लेती डीईओ डॉ. निर्मल दहिया।

लाईसेंस मामले में 29 हजार 999 का जुर्माना

खाद पदार्थो के सैंपल के केसों की सुनवाई कर लगाया जुर्माना

- खाद्य पदार्थों में किसी भी तरह की मिलावट न करें, होगी सख्त कार्रवाई : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि विक्रेता खाद्य पदार्थों में किसी भी तरह की मिलावट न करें, ऐसे करने वालों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा और उन पर मोटा जुर्माना व कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एडीसी दीपक ने आमजन से आह्वान किया कि कोई खाद्य पदार्थ बनाने, बेचने, मैन्युफैक्चरिंग, स्टोर करने, पैकिंग करने व आयात-निर्यात करने के दौरान कोई सामान अवमानक और उस सामान पर मानक अंकित नहीं पाया जाता तो तुरंत इसकी सूचना जिला खाद्य एवं औषधि सुरक्षा विभाग को दें। सूचना एवं शिकायत पर तुरंत कड़ी कार्रवाई अमल में लाइ जाएगी। एडीसी करवा लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में खाद्य पदार्थों के मिसब्रांडेड, सब्सटेंडर्ड, लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन से संबंधित केसों की सुनवाई की। एडीसी ने विभिन्न केसों की सुनवाई कर मौके पर ही निर्णय दिया। उन्होंने मिसब्रांडेड, सब्सटेंडर्ड, बिना लाइसेंस व पंजीकरण के खाद्य पदार्थ बेचने पर लगभग तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया। केसों की सुनवाई करते हुए एडीसी ने श्रीबालाजी बीकानेर मिष्ठान भंडार तोशाम पर सबसटंडर्ड के मामले में 19 हजार 999 रुपये, भगवती बीकानेर मिष्ठान भंडार जेबी गुप्ता अस्पताल के सामने भिवानी पर पंजीकरण के मामले में चार हजार 999 रुपये, एएस ट्रेडिंग कंपनी रतेरा रोड तोशाम पर सबसटंडर्ड व मिसब्रांडिड मामले में 49 हजार 999 रुपये रुपये का जुर्माना लगाया।

अशोक खोवा भंडार पर 19 हजार का जुर्माना

इसी प्रकार से गांव बामला स्थित अशोक स्वीट्स गोदाम पर लाइसेंस के मामले में चार हजार 999 रुपये, रोहतक गेट स्थित अशोक खोवा भंडार पर लाइसेंस के मामले पर 19 हजार 999 रुपये, शुभकामना रसगुल्ला स्टोर सिवानी रोड तोशाम पर लाइसेंस मामले पर चार हजार 999 रुपए, तोशाम बस स्टैंड के पास बलजीत कैंटीन एंड रेस्टोरेंट पर लाइसेंस और सब्सटेंडर्ड मामले में चार हजार 999 तथा 34 हजार 999 रुपये, रोहतक चौक भिवानी स्थित रमन डेयरी पर लाइसेंस मामले में चार हजार 999 रुपये, दिनोद गेट स्थित पैरामिलिट्री अर्धसैनिक कैंटीन पर लाइसेंस मामले में चार हजार 999 रुपये जुर्माना लगाया है। एडीसी ने सुनवाई के दौरान बस स्टैंड के पास बैंक कॉलोनी स्थित मित्तल कन्फेक्शनरी पर रजिस्ट्रेशन व मिसब्रांडेड के मामले पर एक हजार 999 व 19 हजार 999 रुपये, महम रोड स्थित जेपी जनरल स्टोर पर लाइसेंस व मिसब्रांडेड मामले पर चार हजार 999 व 19 हजार 999 रुपये तथा गांव कितलाना स्थित अग्रवाल किरयाणा स्टोर पर चार हजार 999 रुपये का जुर्माना लगाया है। एडीसी ने संबंधित विक्रेताओं को भविष्य में रजिस्ट्रेशन व लाइसेंस समय अनुसार नवीनीकरण करवाने की चेतावनी दी। केसों की सुनवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. पुनीत शर्मा मौजूद रहे।

वंदे मातरम गीत की स्वर लहरियों ने पूरे वातावरण को किया देश प्रेम से ओतप्रोत

- जी लिट्रा वैली विद्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जी लिट्रा वैली विद्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं जयंती उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाई। वंदे मातरम के सामूहिक गायन ने उपस्थित सभी के मन में देशभक्ति की भावना को प्रबल कर दिया। गीत की मधुर स्वर लहरियों ने पूरे वातावरण को देश प्रेम से ओतप्रोत कर दिया।

प्राचार्या सीमा मक्कड़ ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का महत्व बताया और बताया कि सन 1870 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत को लिखा। वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है, यह गीत हर भारतीय के मन में देश के प्रति समर्पण और कर्तव्य की भावना को जागृत करता है। वंदे मातरम कोई शब्द नहीं बल्कि एक ऊर्जा और प्रेरणा है। यह गीत हमें इतिहास से जोड़ता है और भविष्य के लिए आत्मविश्वास बढ़ाता है। अतः हम सभी को अपने राष्ट्र के लिए तन मन में धन से समर्पित रहना चाहिए।

भिवानी। सामूहिक रुप से वंदे मातरम गीत गाते विद्यार्थी।

सम्मेलन में महिलाओं को सशक्त बनने का किया आह्वान

- देश की आर्थिक प्रगति व सामाजिक संतुलन के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर बनना जरूरी : रेखा

भिवानी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गांव झरवाई में महिलाओं के लिए विशेष सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने की, जबकि कार्यक्रम की अगुवाई आत्मनिर्भर भारत की जिला संयोजिका रेखा राघव ने की। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के आयोजन में भाजपा नेत्री सोनिया अत्री, झरवाई सरपंच कमला देवी, रूपगढ़ सरपंच प्रमिला का भी विशेष योगदान रहा। राघव ने कहा कि महिलाएं देश की तरक्की और सशक्तिकरण की आधारशिला हैं, जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी, तभी देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन संभव होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया है।

महिलाओं से मुलाकात करती आत्मनिर्भर भारत की जिला संयोजिका रेखा राघव।

आयोजन — दिव्यांगजनों ने छात्रों को बताए गुरू नानकदेव के जीवन आदर्श

समाज सेवा के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया कार्यक्रम का आयोजन

आश्रम के दिव्यांगजनों ने मानवता सेवा एवं संस्कारों का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रामगंज महोल्ला स्थित श्रीमती देवीबाई आश्रम के दिव्यांगजनों ने दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के छात्रों के बीच पहुंचकर मानवता, सेवा और संस्कारों का मार्मिक संदेश दिया। कार्यक्रम छात्रों को संवेदनशील बनाने और समाज सेवा के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया। प्राचार्या डॉ. निर्मला नीतू और सीनियर कोऑर्डिनेटर अनिल अरोड़ा सहित समस्त स्टाफ ने दिव्यांग बंधुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रंथी बलबीर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सच, सेवा और विनम्रता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों से गुरु नानक देव के मूल उपदेश नाम जपो, कीरत करो, वंड छको (ईश्वर का नाम जपो, मेहनत से कमाओ और बांटकर खाओ) को अपनाने का आह्वान किया। उनके अनुसार इन सिद्धांतों को अपनाकर ही समाज में प्रेम और भाईचारा फैलाया जा सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सरदाना ने छात्रों को ईमानदारी के महत्व से परिचित कराया और उन्हें सक्रिय रूप से समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. निर्मला ने कहा कि असली शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और आदर की भावना सीखना है।

भिवानी। श्रीमति देवीबाई आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी।

अच्छे संस्कारों का पालन का संकल्प

कार्यक्रम संयोजक आशु कामरा ने कहा कि दिव्यांगता शरीर में होती है, हौंसले में नहीं। उन्होंने बच्चों को संदेश दिया कि जो लोग आंखों से नहीं देख सकते, वे दिल से दुनिया को सबसे सुंदर देखते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों ने सामूहिक रूप से वाहेगुरु सिमरन किया और भविष्य में सेवा व अच्छे संस्कारों का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसरप अंजू शर्मा, हेमंत, राहुल, कपिल, सुनील निनानिया व सरिता आदि मौजूद रहे।